भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 4331

दिनांक 20 दिसम्बर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुष्मान आरोग्य मंदिर-उपकेंद्र का मूल्यांकन

4331. श्री प्रवीण पटेलः
श्री मनोज तिवारीः
श्री दूलू महतोः
श्री अनुराग सिह ठाकुर:
श्री लुम्बा राम:
डॉ. राजेश मिश्रा:
श्री जगदम्बिका पाल:
श्री बिद्युत बरन महतो:
श्री कंवर सिंह तंवर:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में आयुष्मान आरोग्य मंदिर-उप-केन्द्रों (एएएम-एससी) के राज्यवार भौगोलिक वितरण का ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या विभिन्न राज्यों में ऐसे मौजूदा केन्द्रों की संख्या देश में स्वास्थ्य सेवा की आवश्यकता को पूरा करने के लिए प्राप्त है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा उत्तर प्रदेश सहित इन राज्यों में ऐसे और केन्द्र स्थापित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;
(ग) देश में एएएम-एससी के लिए राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों (एनक्यूएएस) के तहत राज्यवार, विशेषकर झारखंड और उत्तर प्रदेश में नियोजित, किए गए मूल्यांकनों की संख्या तथा इसके पूरा होने का निर्धारित समय का ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या उक्त मूल्यांकनों से देश में नागरिकों के लिए बुनियादी ढांचे, रोगी सुरक्षा तथा प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा वितरण में सुधार हुआ है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ङ) क्या इन मूल्यांकनों के दौरान कोई विशिष्ट चुनौतियां देखी गई हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) क्या सरकार ने इन चुनौतियों का समाधान करने तथा इसके कार्यान्वयन में सुधार करने के लिए कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): देश में राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिर-उप केंद्रों (एएएम-एससी) की संख्या का ब्यौरा **अनुलग्नक-1** में दिया गया है।

निर्धारित मानदंडों के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में 5,000 (मैदानी इलाकों में) और 3000 (पहाड़ी और जनजातीय क्षेत्रों में) की आबादी पर एक उप स्वास्थ्य केंद्र (एसएचसी), 30,000 (मैदानी इलाकों में) और 20,000 (पहाड़ी और जनजातीय क्षेत्रों में) की आबादी पर एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) और 1,20,000 (मैदानी इलाकों में) और 80,000 (पहाड़ी और जनजातीय क्षेत्रों में) की आबादी पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) का सुझाव दिया गया है। इसके अतिरिक्त, शहरी क्षेत्रों के लिए 15,000 से 20,000 की शहरी जनसंख्या के लिए एक शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर; 30,000 से 50,000 की शहरी जनसंख्या के लिए एक शहरी-प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (यू-पीएचसी); गैर-मैट्रो शहरों (5 लाख से अधिक) में प्रत्येक 2.5 लाख जनसंख्या के लिए एक शहरी-सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (यू-सीएचसी) और महानगरों में प्रत्येक 5 लाख जनसंख्या के लिए एक शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (यू-सीएचसी) की सिफारिश की गई है। इसके अलावा, जिला अस्पताल (डीएच), उप-जिला अस्पताल (एसडीएच) और प्रथम रेफरल यूनिट ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए मध्यम परिचर्या सेवाएं प्रदान करते हैं।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के रूप में प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर जन स्वास्थ्य परिचर्या प्रणाली सुदृढ़ीकरण हेतु राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। भारत सरकार मानदंडों और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार कार्यवाही के रिकॉर्ड (आरओपी) के रूप में प्रस्तावों के लिए अनुमोदन प्रदान करती है।

(ग) से (च): भारत सरकार ने राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) कार्यान्वित किया है जो स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) द्वारा स्थापित एक व्यापक कार्यढांचा है, जिसका उद्देश्य जन स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों में प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करना और उसे बढ़ाना है।

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) मूल्याकंन से देश भर में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। भारत सरकार द्वारा प्रकाशित कॉमन रिव्यू मिशन (सीआरएम) की रिपोर्ट के

अनुसार, इन मूल्यांकनों से स्वास्थ्य परिचर्या सुविधा केंद्रों में अवसंरचना, रोगी सुरक्षा और सेवा प्रदायगी में महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं।

विभिन्न हितधारकों में बड़े स्तर पर समन्वय की आवश्यकता के कारण प्रमाणन की धीमी गति संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए, डिजिटल प्रौद्योगिकी का लाभ उठाया गया और 28 जून, 2024 को 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर- उप स्वास्थ्य केंद्रों (एएएमएसएचसी) के राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) प्रमाणन के लिए वर्चुअल मूल्यांकन' शुरू किया गया।

दिनांक 12.12.2024 तक एनक्यूएएस के तहत राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार किए गए एएएम-एसएचसी मूल्यांकन की कुल संख्या का ब्यौरा **अनुलग्नक-2** में दिया गया है।

*****

अनुलग्नक-1

देशमें कार्यशील आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) उप-स्वास्थ्य केंद्र की संख्या (30.11.2024 की स्थिति के अनुसार)

क्र.सं.	राज्य का नाम	कार्यशील आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप-स्वास्थ्य केंद्र (एसएचसी)
1	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	102
2	आंध्र प्रदेश	10,158
3	अरुणाचल प्रदेश	374
4	असम	3,791
5	बिहार	8,971
6	चंडीगढ़	12
7	छत्तीसगढ़	4,869
8	डीएनएच और डीडी	78
9	गोवा	238
10	गुजरात	8,046
11	हरियाणा	2,558
12	हिमाचल प्रदेश	1,961
13	जम्मू और कश्मीर	2,381
14	झारखंड	3,529
15	कर्नाटक	6,907
16	केरल	5,812
17	लद्दाख	288
18	लक्षद्वीप	7
19	मध्य प्रदेश	10,285
20	महाराष्ट्र	8,766
21	मणिपुर	309
22	मेघालय	448
23	मिजोरम	324
24	नागालैंड	367
25	ओडिशा	5,839
26	पुद्दुचेरी	71
27	पंजाब	2,617
28	राजस्थान	8,751
29	सिक्किम	149
30	तमिलनाडु	5,858
31	तेलंगाना	3,650
32	त्रिपुरा	917
33	उत्तर प्रदेश	18,494
34	उत्तराखंड	1,787
35	पश्चिम बंगाल	11,591
कुल		**140,305**

अनुलग्नक-2

देश भर में आयोजित एएएम-एसएचसी के एनक्यूएएस मूल्यांकन की संख्या

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	12.12.2024 तक किया गया मूल्यांकन
आंध्र प्रदेश	623
अरुणाचल प्रदेश	10
असम	116
बिहार	9
छत्तीसगढ़	136
डीडी और डीएनएच	65
गोवा	8
गुजरात	429
हरियाणा	109
हिमाचल प्रदेश	5
जम्मू और कश्मीर	16
झारखंड	91
कर्नाटक	127
केरल	1
लद्दाख	1
मध्य प्रदेश	518
महाराष्ट्र	9
मणिपुर	2
नागालैंड	3
ओडिशा	394
पंजाब	78
राजस्थान	88
सिक्किम	14
तमिलनाडु	5
तेलंगाना	137
त्रिपुरा	30
उत्तर प्रदेश	391
उत्तराखंड	7
पश्चिम बंगाल	770
कुल	**4,192**

*****